मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT-043

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम.टी.टी.-043 : अनुवाद सिद्धांत और सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद परंपरा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. अनुवाद के सीमित और व्यापक संदर्भों की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 20

2. अनुवाद की सीमाओं और अननुवाद्यता की उपयुक्त उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। 20

3. 'अनुवाद और नवलेखन' विषय पर निबंध लिखिए। 20

4. आधुनिक भारतीय अनुवाद चिंतन पर विचार करते हुए सुजित मुखर्जी के अनुवाद संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए। 20

5. प्रमुख आधुनिक पाश्चात्य अनुवाद सिद्धांतों का विवेचन कीजिए। 20

6. स्वातंत्र्योत्तर सिंधी साहित्य अनुवाद परंपरा में भारतीय भाषाओं से सिंधी में हुए अनुवाद कार्यों की चर्चा कीजिए। 20

7. प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय अनुवाद परंपरा में हिन्दुस्तानी रचनाओं के फारसी अनुवाद की परंपरा का वर्णन कीजिए। 20

8. सिंधी साहित्य के मध्यकाल में अनुवाद परंपरा पर प्रकाश डालिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10×2=20

   (क) अनुवाद और रूपांतर

   (ख) अनुवाद में मूलनिष्ठ **बनाम** ईमानदार अनुवाद का प्रश्न

   (ग) सिंधी और हिंदी भाषा का संबंध

   (घ) फारसी दस्तावेजों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद